NH Notes – 18

"चमार आधा जाट होता है!"

राजा महेंद्र प्रताप ने दिया था पश्चिमी उत्तर प्रदेश की चमार जाति को "जाटव" उपनाम!

आज मुझे इस कहावत को केंद्रबिंदु में रख विस्तार से लिखने की प्रेरणा हुई भारत के विख्यात हास्य कवि सरदार प्रताप सिंह फौजदार जी के बताये तथ्यों से|

वैसे बचपन में मेरे दादा-दादी, माता-पिता, गाँव-गली-चौराहों की राहों से 'चमार आधा जाट होता है' कहावत सुनते हुए बड़ा हुआ| सब इस कहावत के पीछे कारण देते थे कि ऐसा इसीलिए कहा जाता है क्योंकि एक तो जाट के बाद उस जैसी उत्तम खेती (हालाँकि बागवानी के मामले में 'माली' जाति को जाट से भी उत्तम बताया गया है, जिस पर कहावत भी है कि, "गुज्जर के 100, जाट के 9 और माली के 2 किल्ले बराबर होते हैं!" लेकिन सिर्फ बागवानी के मामले वाली खेती में, अन्य सभी प्रकार की खेती में जाट माली से अच्छा कृषक है) कोई कर सकता है तो वह है चमार और चमार सिर्फ खेती ही अच्छी नहीं करता अपितु साफ़-सफाई भी अच्छी जानता होता है और कामगारी जातियों में सबसे नैतिक और जिम्मेदार भी होता है| वह सीरीपना (साझीपना) करने के साथ-साथ अपनी ब्रांड बनाना भी सबसे ज्यादा जानता होता है|

मेरे दादा भी कहते थे कि हमने आज तक जितने भी सीरी-साझियों के साथ काम लिया, उन सबमें चमार सबसे लायक और विश्वसनीय होते आये| इसलिए अगर मुझे सीरी चुनते हुए चमार का विकल्प रहता था तो मैं अपने खेतों में चमार सीरी के साथ काम करना ज्यादा पसंद करता था| साथ वो यह भी कहते थे कि इससे दूसरी जातियों के सीरियों की योग्यता कम नहीं होती, परन्तु चमार ना सिर्फ खेतों में काम करता अपितु एक भावनात्मक ईमानदारी भी कायम करता| और भरोसा तो इतना कि अगर रिश्तेदारी या गाँव से बाहर किसी काम से जाना होता था तो गैरहाजिरी में पूरा काम ऐसे संभाल लेते थे जैसे खुद खसम संभालता है|

मैंने कुछ दिन पहले सोशल मीडिया पर एक लेख डाला था "बहुजन-दलित-जाट और खाप", उस लेख पर सरदार प्रताप सिंह फौजदार के विचार जानने को मिले| सरदार जी कहते हैं कि पश्चिमी उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश में चमार जाति जो "जाटव" उपनाम प्रयोग करती है यह उनको 'मुरसन नरेश राजा महेंद्र प्रताप जी' ने दिया था| राजा साहब ने पहले इन्हें "छोटा जाट" कहा, फिर "जटिया" कहा और अंत में "जाटव" सुनिश्चित किया| मध्य प्रदेश के बहुत सारे क्षेत्रों में इन्हें वर्तमान में "जटिया" ही कहा जाता है। मध्यप्रदेश के "सत्यनारायण जटिया" भाजपा से सांसद रहे हैं और वर्तमान में भी भाजपा से राज्यसभा सांसद हैं|

कहना चाहूंगा कि आज जाट और चमार समाज को यह "चमार आधा जाट होता है" जैसी कहावतों की पहले से अधिक आवश्यकता है; खासकर हरियाणा जैसे राज्य में जहां कुछ शहरी जातियों ने जाट बनाम नॉन-जाट का निष्कंटक सा प्रतीत बन चला सा जहर फैलाया हुआ है|

जय दादा बड़ा बीर (दादा नगर खेड़ा)!

Author: Phool Malik; **Publisher:** Nidana Heights; **Date:** 02/02/2015